e-Souvenir

TWO DAYS
NATIONAL WEBINAR

(Under the UGC mandate notification,
D.O. No.1-3/2020 (CM) dated 28th March 2020)

On

Realigning The Indian Economy In Post Covid-19 Era

11-12 MAY, 2020

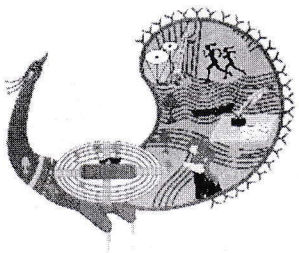

अप्प दीपो भव

Organised by

DEPARTMENT OF ECONOMICS

VASANTA COLLEGE FOR WOMEN

Admitted under the Privileges of Banaras Hindu University
KFI, Rajghat, Varanasi

Ph. No.- 542-2441187, E-mail-Id : vasantakfi@rediffmail.com, Website : www.vasantakfi.ac.in

Adarsh Arts & Commerce College Desaiganj

PRINCIPAL
Adarsh Arts & Commerce College,
Desaiganj (Wadsa) Dist.- Gadchiroli

THE ECONOMIC IMPACT OF COVID-19 ON INDIAN ECONOMY

SachinAgrawal
Asst.Professor, Shri Agrasen
Kanya P.G. College, Varanasi,

The COVID-19 pandemic has created a threatening impact on the economy. It has led to economic crisis and recession all over the world.COVID-19 crisis has caused an exceptional breakdownin economic activities over the last few weeks. To control the pandemic various measures that have been taken such as Lockdown, Social distancing, self-isolation and travel restrictions have caused a decrease in the workforce across all economic sectors.The need for medical supplies has significantly increased. People started to panic-buying of essential commodities. The demand for non- essential commodities decreased. All these have a devastating impact on the Indian economy. The paper summarizes economic effects of COVID-19 on Indian world economy.

Key Words:COVID-19, economy, pandemic, Indian economy.

*****

अर्थव्यवस्था : Covid–19 के बाद अर्थव्यवस्था में रिकवरी की प्रक्रिया

निलेश देवाजी हलामी
सहा. प्रांध्यापक. आदर्श कला व
वाणिज्य महाविद्यालय,देसाईगंज जि.
गडचिरोली (म.रा.)

दुनियाभर कोरोनावायरस संक्रमण होने से लॉकडाऊन परिस्थिती में वैश्विक अर्थव्यवस्था में किस तरह की रिकवरी होगी। इसके लिए अर्थशास्त्री इस बात का अनुमान लगाने में जुटे हैं । ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक ट शेप में मंदी जितनी तेजी से अर्थव्यवस्था में आती है, तेजी उतनी ही तेजी से इसमें वापस आती है। लेकिन कई अर्थशास्त्री ये भी अनुमान लगा रहे कि तेजी की वापसी की प्रक्रिया ¬ शेप में हो सकती है।कुछ निराशावादी अर्थशास्त्री ये अनुमान लगा रहे कि यह प्रक्रिया र- या ˘ शेप में आ सकती है। कोरोनावायरस संक्रमण का अवधी, ये संक्रमण को रोकने के लिए किए गये कोशिश की सफलता, आर्थिक व्यवहार मे राहत कि नितीयाँ और निजी क्षेत्र के व्यवहार में बहुत जटील संबंध है। इसी वजह से भविष्य में अनिश्चितता निर्माण हुआ है। प्रत्येक स्थिती में कोनसी प्रकार की रिवकरी प्रक्रिया दिखेगी।

Adarsh Arts & Commerce College Desaiganj
PRINCIPAL
Adarsh Arts & Commerce College,
Desaiganj (Wadsa) Dist.- Gadchiroli

ट. शेपः– जब पूरी दुनियासे कोरोना वायरस का संक्रमण मई तक खत्म हो जाएगा । उसके बाद सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों में ढील देकर मांग खूलेगी और बड़े पैमाने पर वित्तीय और मौद्रिक राहत पैकेज जारी किए जाएंगे। कंपनियों मे पहले जैसी काम–काज शुरू हो जाएगी । कर्मचारीयों को काम से कम नही करने में सरकार सफल होकर बेरोजगारी कम होगी । इसी तरह अर्थव्यवस्था नये साल कि शुरुवात तक कोरोना वायरस संकट से पहले वाले स्तर तक पहुच जाएगी । तब ट शेप की रिवकरी आ जाएगी।

न. शेपः–जब पूरी दुनियासे कोरोना वायरस का संक्रमण जुन तक खत्म नही हो पाएगा । उसकी कारण सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों में ढील नही दी जाएगी । सरकारों और केंद्रीय बैंकों की राहत पैकेज जारी किए जाएंगे। उस कारणसे माँग खुलेगी पर लोग खरिदारी करणे के लिए दौड नही पडेंगे। इसी कारण से कंपनीयों और कारखानीयों में पहले जैसै काम–काज शुरू होणे के लिए वक्त लगेगा। इस मंदी के वजह से जितने लोगोकी हातोंका काम गया है उन सभी को एक साथ हातोंमें काम नही मिलेगा। इन दिनोंमें लिया हुआ कर्ज लोग पुरी तरह से चुका नही पाहेंगे। इस परिस्थिती में यू शेप की स्थिति रहेगी। यू शेप कि रिकवरी नये साल कि शुरुवात तक हो जाऐगी और उसके बाद अर्थव्यवस्था में वापस तेजी आऐगी ।

र. शेपः–जब पूरी दुनियासे कोरोना वायरस का संक्रमण जुन के बाद भी चलते रहेगी । इसके कारण सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों में छुट नही दी जाएगी । इस परिस्थिती में लोग सेवा गतिविधियों पर खर्च नही करेंगे । लोग घर पे ही बैठ के रहेंगे। सरकारों और केंद्रीय बैंकों की राहत पैकेज जारी किए जाएंगे। उस कारणसे माँग खुलेगी पर लोग खरिदारी करणे के लिए दौड नही पडेंगे। लोगोंने लिए गए कर्ज का भुगतान करने में असमर्थ हो जाएगे। कई कंपनियों का दिवालिया हो सकती है। शेअर बाजारमें भी गिरावट आ जाऐगी। माँग में तेजी लाने के लिए सरकार को अधिक राहत पैकेज कि घोषणा करणा पढेगी। इस परिस्थिती में एल शेप की स्थिती का रिकवरी रहेगी।

*****

NOVEL COVID-19: CAUSE OF EMERGENCE OF NEW WORLD

Dr. Ritu Singh
Assistant Professor in Botany
Sunbeam Women's College, Varuna, Varanasi
E Mail- ritu.singh414@gmail.com

Novel COVID- 19 pandemic is one of the greatest challenges of the world. Scientists still don't know many things about the SARS-CoV2 and without any break continuously working to prepare effective medicine and vaccines. They also don't know how prevalent it is. The life is inherent unpredictable and ever insecure. Thus, nobody knows future after COVID-19.

Adarsh Arts & Commerce College Desaiganj
PRINCIPAL
Adarsh Arts & Commerce College,
Desaiganj (Wadsa) Dist.- Gadchiroli